

राष्ट्रीय वधि विश्वविद्यालय तथा एडवोकेट चैंबर व मल्टीलेबल पार्किंग

चर्चा में क्यों?

- 11 सितंबर, 2021 को भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोवद ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय वधि विश्वविद्यालय पर्यागराज तथा 640.37 करोड़ रुपये की धनराशि से निर्मित होने वाले एडवोकेट चैंबर व मल्टीलेबल पार्किंग का शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर राष्ट्रपति के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमन्ना भी उपस्थित थे।
- राष्ट्रपति ने कहा कि इतिहास की दृष्टि से इलाहाबाद हाईकोर्ट भारत में स्थापित चौथा हाईकोर्ट है एवं न्यायाधीशों की संख्या की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा हाईकोर्ट है।
- उन्होंने ने कहा कि इस उच्च न्यायालय में सन् 1921 में भारत की पहली महिला वकील कॉर्नेलिया सोराबजी को पंजीकृत करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था, जो महिला सशक्तीकरण की दृष्टि से इलाहाबाद उच्च न्यायालय का भविस्योन्मुखी निर्णय था।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पर्यागराज शिक्षा का भी महत्त्वपूर्ण केंद्र है। वधि विश्वविद्यालय में राजनीतिक हस्तक्षेप न हो, इसके लिये उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को इस विश्वविद्यालय का वजिटिर बनाने हेतु एकट बनाएँ।
- राष्ट्रपति ने कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता स्व. श्री आनंद भूषण के चित्र का अनावरण किया। कार्यक्रम में इलाहाबाद हाईकोर्ट की स्थापना एवं उसके गौरवशाली इतिहास के बारे में प्रस्तुतीकरण भी किया गया।